B.A Hons Part II Political

12/01/2022

Page No.
Date: / /

Q प्रचार की परिभाषा बतलाएँ।

Define the Propaganda?

प्रचार की परिभाषा

युरकली का मानना है कि प्रचार का मतलब है कि पीढ़ी को मन में एक निश्चित अंत के साथ बूझकर करना है। युवा विचारों विचारों और दृष्टिकोणों के प्रचार के रूप में प्रचार को परिभाषित करता है और जिसका वास्तविक उद्देश्य श्रोता या पाठक के लिए स्पष्ट नहीं हो रहा है।

यंग की इस परिभाषा में दो बिंदु महत्वपूर्ण प्रतीत होते हैं।

(i) विचारों और विचारों का प्रचार

(ii) प्रचार में अंतिम उद्देश्य स्पष्ट नहीं है या सीधे श्रोता या पाठक के लिए ज्ञात नहीं है। लेकिन प्रचार में अधिकांश व्यक्ति प्रचारक के दिमाग को पढ़ सकते हैं और इसके पीछे के उद्देश्य को जान सकते हैं, यदि उनके पास कुछ ज्ञान है।

Doob के अनुसार "प्रचार, इच्छुक व्यक्तियों द्वारा सुझावों के उपयोग के माध्यम से व्यक्तियों के समूहों के दृष्टिकोण को नियंत्रित करने और फलस्वरूप उनकी कार्रवाई को नियंत्रित करने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास है।"

इसलिए उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि:

Page No.:
Date:

(i) प्रचार व्यवस्थित रूप से किया जाता है।

(ii) प्रचार के माध्यम से मानव व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यों को नियंत्रित किया जाता है। तीसरा, वे कहते हैं, विचारों का प्रचार सुझावों के उपयोग के माध्यम से होता है। इस प्रकार, सुझाव प्रचार की विभिन्न तकनीकों के उपयोग के माध्यम से एक संगठित और व्यवस्थित तरीके से कारवाई, दृष्टिकोण और व्यवहार को अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित करने के एक मात्र उद्देश्य के साथ किया जाता है।

डोआब प्रचार की प्रकृति पर आगे कहता है कि जो लोग किसी विशेष प्रचारक द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकों से अत्यधिक प्रभावित होते हैं वे बहुत ही अपूर्ण, अनुचित और तर्कहीन प्रतिक्रिया दिखाते हैं। एक सफल प्रचारक व्यक्ति के संपूर्ण व्यवहार, क्रिया और मानसिक स्तर को संशोधित करता है। सवाल को व्यापक पूर्ण तरह से सही और विवेकपूर्ण तरीके से चीजों को पहचानने के अपने सामान्य स्वभाव को खो देता है।

प्रचार को मुख्य रूप से सुझाव और संबंधित मनोवैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से प्रतीकों के

व्यवस्थित उपयोग के साथ जानबूझकर योजनाबद्ध तरीके से समझाया जाता है। इसमें विचारों, ~~विश्वासों~~ विचारों, मूल्यों और विश्वासों को संशोधित करने और अंत में पूर्व निर्धारित लाइनों के साथ कार्रवाई के बदलने के उद्देश्य।

इस प्रकार,

(A) प्रचार अच्छी तरह से योजनाबद्ध और ढंग से व्यवस्थित है।

~~(B) प्रचार स्वाभाविक तौर पर नहीं किया~~

(B) प्रचार सुझाव से प्रभावित होता है।

(C) प्रचार सीधे तौर पर नहीं किया जाता, बल्कि विभिन्न उत्पादों के विज्ञापनों की तरह एक प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है।

(D) प्रचार का एक मात्र उद्देश्य जनमत को बदलना और नियंत्रित करना और कार्यों को वांछित पंक्ति में परिवर्तित करना है।

विभिन्न टी०वी० चैनलों पर कुछ सौ या हजार लोगों की राय या आगामी चुनावों में कुछ दलों की जीत की संभावना पर आधारित जनमत पोल और सामूहिक बयान से पार्टियों के सदस्यों की जीत की संभावनाओं पर प्रकाशित लेख इस तरह के उदाहरण हैं।

उपरोक्त बातों से यह उभर कर आता है कि:

(i) प्रचारक लोगों के विश्वासों और दृष्टिकोणों और उनके कार्यों को प्रभावित करना चाहता है।

(ii) विशिष्ट मान्यताएँ और दृष्टिकोण जो प्रचारक प्रेरित करना चाहते हैं, वे आमतौर पर मूल्यवान या सामाजिक रूप से अपने आप में वांछनीय नहीं हैं, लेकिन क्योंकि प्रचारक के मन में स्वार्थ या कोई उल्टा मकसद होता है; वह यह दिखाने की कोशिश करता है कि यह मूल्यवान है और सामाजिक रूप से वांछनीय।

Kmishra
13-01-2022